विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान बना जनसेवा की प्रेरक मिसाल

भारत–नेपाल में 1100 से अधिक शिविर, 65 हजार से अधिक यूनिट रक्त संग्रह



गाउंट आम्-राज.। मानवता, विश्व बंधुत्व और निःस्वार्थ सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित तत्कालीन ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि का स्मृति दिवस 'विश्व बंधुत्व रक्त दान महाभियान 2026' जनसेवा की प्रेरक मिसाल बना है। 21 से 25 अगस्त तक चले अभियान में भारत एवं नेपाल में 1100 से अधिक रक्त दान शिविर आयोजित किए गए। अब तक 65,000 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित हुआ है। नेपाल में 8,694 यूनिट रक्तदान किया गया, जबकि कई शिविरों की अंतिम रिपोर्ट आना अभी बाकी है। अभियान का संदेश रहा– 'एक रक्त, एक मानवता, एक विश्व परिवार।' ब्रह्माकुमारीज़ समाज सेवा प्रभाग के इस अभियान में भारत वर्ष में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सा संस्थानों, ब्लड बैंकों तथा आम नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की। कई स्थानों पर युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक रक्त दान किया।

राज्यवार रक्त संग्रह प्रदर्शन

1. महाराष्ट्र	3,650 Units
2. राजस्थान	4,458 Units
3. हरियाणा	3,934 Units
4. कर्नाटक	2,957 Units
5. गुजरात	2,992 Units
6. छत्तीसगढ़	2,808 Units
7. मध्य प्रदेश	2,691 Units
9. दिल्ली	2,492 Units
9. उत्तर प्रदेश	1,975 Units
10. पंजाब	1,742 Units

अभियान ने सबको एक सूत्र में बांधा

- 1,100+ रक्त दान शिविर
- 65,000+ यूनिट रक्त संग्रह
- नेपाल में 8,694 यूनिट रक्त दान
- दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति को समर्पित अभियान
- देशभर के युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही
- 'एक रक्त, एक मानवता, एक विश्व परिवार' का संदेश
- 2025 में 88,378 यूनिट रक्त दान का रिकॉर्ड

शिक्षा में आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश जरूरी: शिक्षाविद

ओआरसी में राष्ट्रीय शिक्षाविद सम्मेलन, एआई और सोशल मीडिया के प्रभाव पर मंथन



ओआरसी-गुरुग्राम(हरियाणा)। शिक्षक दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'द पॉवर ऑफ नाउ' विषय पर राष्ट्रीय शिक्षाविद् सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में शिक्षा में आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों के समावेश तथा तकनीकी परिवेश में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा हुई। ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि वर्तमान समय परिवर्तन का अवसर है। बच्चों को प्रारंभ से ही शांति, योग और सकारात्मक मूल्यों की शिक्षा देने से संस्कारवान समाज का निर्माण संभव है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बी.जे. राव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के आंतरिक एवं आध्यात्मिक विकास को सुनिश्चित करना भी होना चाहिए। एमडीआई गुरुग्राम के निदेशक प्रो. अरविंद सहाय ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के दौर में विद्यार्थियों में मानसिक अभ्यास और स्वतंत्र चिंतन को बढ़ावा देना आवश्यक है। आईआईएलएम ग्रेटर नोएडा निदेशक डॉ. ए. वाडिवेल ने सोशल मीडिया से बढ़ते तनाव और अकेलेपन के बीच शिक्षकों के शांत एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को महत्त्वपूर्ण बताया। प्रो. राज सिंह, संजय झा और प्रो. कमलेश मीणा ने मूल्य आधारित शिक्षा पर विचार रखे। राजयोगिनी ब्र.कु. बिंदु दीदी ने राजयोग मेडिटेशन कराया। ब्र.कु. सुमन ने शिक्षा प्रभाग की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि ब्र.कु. दिव्या ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इन मुख्य विषयों पर हुआ चिंतन

आध्यात्मिक मूल्य, स्वतंत्र चिंतन, डिजिटल संतुलन, संवेदनशीलता और राजयोग ध्यान सम्मेलन के प्रमुख विषय रहे

कोलकाता में आंतरिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक परिवर्तन महोत्सव का शुभारम्भ



राज्यपाल आर.एन.रवि बोले–मजबूत परिवार ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला

कोलकाता-म्यूजियम(प.बं.)। ब्रह्माकुमारीज़ की 90 वर्षों की आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवा-यात्रा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ ईस्टर्न ज़ोन मुख्यालय,भवानीपुर में चार दिवसीय "इनर एम्पॉवरमेंट एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन फेस्टिवल" का शुभारम्भ हुआ। इसके अंतर्गत "इनर पीस... स्ट्रॉन्ग फैमिलीज़... विकसित भारत" विषय पर विशेष महिला पहल का शुभारम्भ हुआ।

कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन.रवि, वरिष्ठ राजयोगिनी ब्र.कु. वेदांती दीदी,अफ्रीका की निदेशिका तथा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका,अहमदाबाद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राज्यपाल रवि ने कहा कि स्थायी सामाजिक परिवर्तन केवल बाहरी विकास से नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर शांति, सकारात्मक सोच और मानवीय मूल्यों के विकास से संभव है। उन्होंने परिवार को समाज की मूल इकाई बताते हुए कहा कि मजबूत एवं संस्कारवान परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखते हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ की 90 वर्षों की सेवाओं के लिए शुभकामनाएं दीं। राजयोगिनी ब्र.कु. वेदांती दीदी ने कहा कि वास्तविक सशक्तिकरण मन को शांत, स्थिर और शक्तिशाली बनाने में है। वहीं राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने परिवार में प्रेम, सम्मान और सकारात्मक संवाद को शांति का आधार बताया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया

इनमें वरिष्ठ पत्रकार भारती जैनानी, बीडी मेमोरियल विद्यालय निदेशक सुमन सूद, प्रसिद्ध भारतीय तैराक पद्मश्री सुश्री बुला चौधरी, सह निदेशक कोलकाता फाउंडेशन सुश्री सौम्या वर्मा एवं सुश्री महिमा वर्मा, कांथा फाउंडेशन सुश्री शामलू दुदेजा एवं सुश्री मालिका दुदेजा, जीटो एपेक्स लेडिज़ विंग - लेम्बॉर्गिनी हुराकान खरीदने और उसे रेस करने वाली भारत की पहली महिला सुश्री शीतल दुगर आदि महिलाएं शामिल रहीं।

भारतीय संस्कृति और श्रेष्ठ संस्कार विश्व में भारत की पहचान

मानसरोवर में चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राजयोग शिविर में देशभर से जुटे करीब 2000 समाजसेवियों ने लिया सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में उतारने का संकल्प



शांतिवन-मानसरोवर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा मानसरोवर परिसर में आयोजित चार दिवसीय "आध्यात्मिक जागृति से विश्व परिवर्तन" राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राजयोग शिविर का समापन सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के संकल्प के साथ हुआ। देशभर से पहुंचे करीब 2,000 समाजसेवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सेवाधारियों ने सेवा, युवा जागृति, मानवीय मूल्य, बुजुर्गों के सम्मान और आध्यात्मिक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर मंथन किया। उत्तराखंड सरकार के परिवहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि दुःखी को सुख, भूखे को भोजन और जरूरतमंद को सहायता देना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने तकनीकी विकास के साथ मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्यों को आवश्यक बताया। हरियाणा के नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने भारतीय संस्कारों को मजबूत करने तथा युवाओं में बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने पर ज़ोर दिया। संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने वीडियो संदेश में आंतरिक शक्ति, शांति और आध्यात्मिक जागृति को विश्व परिवर्तन का आधार बताया। वहीं समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि राजयोग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपनी कमज़ोरियों पर विजय प्राप्त कर सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने भारतीय संस्कृति और श्रेष्ठ संस्कारों को भारत की पहचान बताते हुए आध्यात्मिकता को दैनिक जीवन और व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। सम्मेलन में राजयोग, मनसा सेवा और सकारात्मक चिंतन के माध्यम से समाज में शांति एवं सद्भाव बढ़ाने का संदेश दिया गया।

सम्मेलन में...

राजयोग, मनसा सेवा और सकारात्मक चिंतन के माध्यम से समाज में शांति एवं सद्भाव बढ़ाने का संदेश दिया गया

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामीत्व - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा Mitsure Technologies LLP, B-121 मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
राज्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शांतिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org